# (DHIND01)

**Total No. of Questions : 10]** **[Total No. of Pages : 01**

## M.A. DEGREE EXAMINATION, DECEMBER - 2018

## (First Year)

## HINDI

## History of Hindi Literature

## हिंदी साहित्य का इतिहास

**Time : 3 Hours** **Maximum Marks : 70**

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
*सभी प्रश्नों के अंक समान है।*

***Q1)*** हिन्दी साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन पर विचार कीजिए।

***Q2)*** निर्गुण भक्ति काव्य की परंपरा पर प्रकाश डालते हुए उसमें कबीरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

***Q3)*** 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता पर प्रकाश डालिए।

***Q4)*** कृष्ण भक्ति काव्य के विकास में 'सूरदास' के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

***Q5)*** रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

***Q6)*** हिन्दी गद्य को विकास के पर्याप्त अवसर देने में भारतेन्दु युग की देन को स्पष्ट कीजिए।

***Q7)*** छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

***Q8)*** हिन्दी कहानी <u>अथवा</u> हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

***Q9)*** स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटककारों में मोहन राकेश के स्थान को निर्धारित कीजिए।

***Q10)*** किन्हीं <u>दो</u> कवियों का परिचय दीजिए।

अ) तुलसीदास।

आ) रहीम।

इ) हरिवंशराय बच्चन।

ई) जयशंकर प्रसाद।

● ● ●

# (DHIND02)

**Total No. of Questions : 10]** **[Total No. of Pages : 01**

## M.A. DEGREE EXAMINATION, DECEMBER - 2018

## (First Year)

## HINDI

## Theory of Indian and Western Literature

### भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र

**Time : 3 Hours** **Maximum Marks : 70**

---

*किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
*सभी प्रश्नों के अंक समान है।*

***Q1)*** रस की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए भरत के रससूत्र को समझाइए।

***Q2)*** 'ध्वनि' क्या है? ध्वनि-संप्रदाय के इतिहास को स्पष्ट कीजिए।

***Q3)*** औचित्य-संप्रदाय की मान्यताओं की विशिष्टता को स्पष्ट कीजिए।

***Q4)*** अलंकार संप्रदाय का परिचय देते हुए कविता में उसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

***Q5)*** वक्रोक्ति संप्रदाय का परिचय देकर स्वभावोक्ति और वक्रोक्ति के संबंध को स्पष्ट कीजिए।

***Q6)*** प्लेटो के काव्य-संबंधी विचारों पर एक लेख लिखिए।

***Q7)*** अरस्तू के अनुकरण-सिध्दान्त का परिचय देते हुए उसके गुण-दोषों पर प्रकाश डालिए।

***Q8)*** साहित्यालोचना में रिचार्ड्स के मूल्य-सिध्दांत की उपयोगिता पर विचार कीजिए।

***Q9)*** महाकाव्य के लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

***Q10)*** किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

अ) मुक्तक काव्य।

आ) रिपोर्ताज।

इ) जीवनी।

ई) एकांकी।

● ● ●

# (DHIND03)

**Total No. of Questions : 10]** **[Total No. of Pages : 02**

## M.A. DEGREE EXAMINATION, DECEMBER - 2018

## (First Year)

## HINDI

## Old and Medieval Poetry

### प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य

**Time : 3 Hours** **Maximum Marks : 70**

*प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।*
*शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

***Q1)*** संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। ***(4 × 3½ = 14)***

a) सरवर तीर पदुमिनी आईं। खोंपा छोरि केस मोरकाईं।
सिस मुख अंग मलैगिरि रानी। नागान्ह झाँपि लीन्ह अरधानी
ओनए मेघ परी जग छाहाँ। ससि की सरन लीन जनु राहाँ।
छपि गै दिनहि भानु कै दशा। लै निसि लखत चाँद परगसा।
भूलि चकोर दिस्टि तहँ लावा। मेघ घटा महँ चाँद देखावा।
दसन दामिनी कोकिल भाषी। भौंहें धनुक गगन लै राखी।
नैन खंजन दुई केली करेहीं। कुच नारँग मधुकर 'रस लेहीं।'

अथवा

b) गुरु गोविंद तो एक है दूजा यहु आकार।
आप मेटि जीवत मरै तो पावै करतार।।

c) मन अतिभयो हुलास, विगसि जनु कोक किरन रवि।
अरुन अधर तिय सधर, बिम्बफल जानि कीर छवि।।
यह चाहत चष चकित, उह जु तक्किय झरप्पि झर।
चंच चंहुचिट्टय लोभ, लियौ तब गहित अप्प कर।।
हरषत अनन्द मन महि हुलास, लै जु महुल भीतर गई।
पन्जर अनूप नग मनि जटित सो तिहि मँह रष्षत भई।।

अथवा

d) उध्दव! यह मन निश्चय जानो।
मन क्रम बच मैं तुम्हैं पठावत ब्रज को तुरंत पलानो।।
पूरन ब्रह्म, सकल, अविनासी ताके तुम हो ज्ञाता।
रेख, न रूप, जाति, कुल नाहीं जाके नहिं पितु माता।।
यह मत दै गोपिन कहु आवहु बिरह नदी में भासति।
सूर तुरत यह जाय व हौ तुम ब्रह्मा बिना नहिं आसति।।

e) हम तो नंदघोष की बासी।
नाम गोपाल जाति कुल गोपहि, गोप गोपाल उपासी।।
गिरिवरधारी, गोधनचारी, बृंदाबन अभिलासी।
राजानंद जसोदा रानी जलधि नदी जमुना सी।।
प्रान हमारे परम मनोहर कमलनयन सुखरासी।
सूरदास प्रभु कहौं कहाँ लौं अष्ट महासिधि दासी।।

अथवा

f) कबि कोबिंद अस हृदयँ बिचारी। गावहिं हरिजस कलिमलहारी।
कीन्हें प्राकृत जन गुन गाना। सिर धुनि गिरा लगत पछिताना।।
हृदय सिंधु मति सीप समाना। स्वाति सारदा कहहिं सुजाना।।
जौं बरषइ बर बारि बिचारू। होहिं कबित मुकुतामनि चारू।।

g) मेरी भव-बाधा हरौ राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाँई परत, स्यामु हरति दुति होइ।।

अथवा

h) अति सूधो सनेह को मारग है जहँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलै तजि आपनपौ झझकै कपटी जे निसाँक नहीं।।
घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ यहाँ एक ते दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हो लला मन लेहु, पै देहु, छटाँक नहीं।।

*(4 × 14 = 56)*

***Q2)*** पृथ्वीराज रासो के 'पद्मावती समय' की कथावस्तु को समझाइए।

***Q3)*** विद्यापति के पदों में अभिव्यंजित गीति तत्व की समीक्षा कीजिए।

***Q4)*** जायसी कृत 'पद्मावत' में अभिव्यंजित पेम भावना का परिचय दीजिए।

***Q5)*** कबीर के काव्य में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना को समझाइये।

***Q6)*** सूरदास के वात्सल्य वर्णन की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

***Q7)*** तुलसीदास की भक्ति भावना को समझाइये।

***Q8)*** घनानंद के काव्य के कलापक्ष पर प्रकाश डालिए।

***Q9)*** श्रृंगारकाल के प्रतिनिधि कवि के रूप में बिहारी का परिचय दीजिए।

***Q10)*** मानसरोदक खण्ड की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

● ● ●

# (DHIND04)

**Total No. of Questions : 10]** **[Total No. of Pages : 02**

## M.A. DEGREE EXAMINATION, DECEMBER - 2018

## (First Year)

## HINDI

### Hindi Prose – Drama, Novel, Stories and Essay

### हिन्दी गद्य - नाटक, उपन्यास, कहानी और निबंध

**Time : 3 Hours** **Maximum Marks : 70**

---

*प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।*

*शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

***Q1)*** संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। ***(4 × 3½ = 14)***

a) ''जीवन तुमसे ज्यादा असार भी दुनिया में कोई वस्तु है? क्या यह उस दीपक की भाँति ही क्षण-भंगुर नहीं है, जो हवा के एक झोके से बुझ जाता है? पानी के एक बुलबुल को देखते हो, लेकिन उसे टूटते भी कुछ देर लगती है, जीवन से उतना सार भी नहीं।

अथवा

b) ''मन! तेरी गति कितनी विचित्र है, कितनी रहस्य से भरी हुई, कितनी दुर्भेद्य! तू कितनी जल्द रंग बदलती है। इस कला में तू निपुण है।

c) यह स्वनों का देश, यह त्याग और ज्ञान का पालना, यह प्रेम की रंग भूमि-भारत भूमि क्या भुलाई जा सकती है? कदापि नहीं। अन्य देश मनुष्यों की जन्मभूमि है, यह भारत मानवता की जन्म भूमि है।

अथवा

d) राजा न्याय कर सकता है, परन्तु, ब्राह्मण क्षमा कर सकता है।

e) श्रध्दा, न्याय और बुध्दि के पलडे पर तुली हुई एक वस्तु है, जो दुसरे पलडे पर रखे हुए श्रद्धेय के गुण, कम आदि के हिसाब से होती है।

अथवा

f) आनंदपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कण्ठा में ही उत्साह का दर्शन होता है, केवल कष्ट सहने के निश्चेष्ट साहस में नही। धृति और साहस दोनों का उत्साह के बीच संचरण होता है।

g) किसी भी साम्राज्य की सीमा तलवार से खींची जाती है और सीमा को स्थायी रखने के लिए उस रेखा में रक्त का रंग भरा जाता है।

अथवा

h) मनुष्य मृत्यु को असुन्दर ही नहीं, अपवित्र भी मानता है। उस के प्रियतम आत्मीय जन का शव भी उसके निकट अपवित्र, अस्पृश्य और भयानक हो उठता है।

***(4 × 14 = 56)***

***Q2)*** 'चन्द्रगुप्त' नाटक का तात्विक विश्लेषण कीजिए।

***Q3)*** 'चन्द्रगुप्त'नाटक की ऐतिहासिकता का विवेचन कीजिए।

*Q4)* 'निर्मला' उपन्यास से प्रतिपादित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

*Q5)* 'निर्मला' के चरित्र-चित्रण पर प्रकाश डालिए।

*Q6)* कहानी के तत्वों के आधार पर 'परदा' अथवा 'ठेस' का तात्विक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

*Q7)* हिन्दी-निबंध साहित्य के विकास में रामचन्द्र शुक्ल की देन को निर्धारित कीजिए।

*Q8)* एकांकी के तत्वों के आधार पर 'सूखीडाली' या 'रीढ़ की हड्डी' का विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।

*Q9)* रेखाचित्र की विशेषताओं के आधार पर 'सोना' रेखाचित्र की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

*Q10)* किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए।

a) गजाधर।
b) उत्साह।
c) श्रध्दा-भक्ति।
d) तोताराम।

● ● ●

**(DHIND05)**

**Total No. of Questions : 10]** **[Total No. of Pages : 02**

# M.A. DEGREEEXAMINATION, DECEMBER - 2018

## (First Year)

## HINDI

## Modern Poetry

## आधुनिक कविता

**Time : 3 Hours** **Maximum Marks : 70**

*प्रथम प्रश्न अनिवार्य है।*
*शेष प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

***Q1)*** निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। ***(4 × 3½ = 14)***

a)दिवस का अवसान समीप था।
गगन था कुछ लोहित हो चला।
तरु शिखा पर थी अब राजती।
कमलिनी-कुल-वल्लभ की प्रभा।

अथवा

b)सुना यह मनुने मधुर गुंजार।
मधुकरी का-सा जब सानंद।
किये मुख नीचा कमल समान।
प्रथम कवि का ज्यों सुन्दर छंद।।

c)राघव-लाघव-रावण-वारण-गतयुग्म-प्रहर।
उद्धत-लंकापति-मर्द्दित-कपि-दल-बल-विस्तार।
अनिमेष-राम-विश्वजिद् दिव्य-शरभंग-भाव।
विद्धांग-बद्ध-कोदण्ड-मुष्टि-खर रूधिर स्राव।।

अथवा

d)सैकत-शय्या पर दुग्ध-धवल,
तत्वंगी गंगा, ग्रीष्म-विरल,
लेटी है श्रान्त, क्लान्त, निश्चल,
तापस-वाला गंगा निर्मल, शशि मुख से दीपित मृदु-करतल,
लहरे उर पर कोमल कुन्तल।

e)विरह का जलजात जीवन, विरह का जलजात,
वेदना में जन्म, करुणा में मिला आवास,
अश्रु चुनता दिवस इसका, अश्रु गिनती रात
जीवन विरह का जलजात।

अथवा

f) दिव की ज्वलित शिखा-सी उड़ तुम जबसे लिपट गई जीवन में,
तृषावन्त मैं घूम रहा कविते! तब से व्याकुल त्रिभुवन में।

g) दृत झरो जगत के जीर्ण पत्र!
है स्रस्त-ध्वस्त! रे शुष्क शीर्ण!
हिम-ताप-पीत, मधु-वात-भीत,
तुम वीत राग, जड़, पुरा चीन!!

अथवा

h)मर्यादा मत तोडो।
तोडी हुई मर्यादा।
कुचलेहुए अजगर सी।
गुंजीलक में कौरव वंश को लपेट कर।
सूखी लकडी-सा तोड डालेगी।।

*(4 × 14 = 56)*

***Q2)*** प्रियप्रवास से काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

***Q3)*** 'कामायनी' के महाकाव्यत्व का निरुपण कीजिए।

***Q4)*** ''राम की भक्ति पूजा'' के भाव पक्ष पर प्रकाश डालिए।

***Q5)*** 'धीरे-धीरे उतर क्षितिज से' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

***Q6)*** 'हाहाकार' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

***Q7)*** 'नदी के द्वीप' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

***Q8)*** 'अंधा युग' में प्रतिपादित युद्ध और शांति की समस्या पर प्रकाश डालिए।

***Q9)*** 'नौका विहार' कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

***Q10)*** किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए।

a) 'द्रूत झरो' का कलापक्ष।
b) 'असाध्य वीणा' का काव्य-सौष्ठव।
c) कवि मैथिलीशरण गुप्त।
d) ''श्रद्धा'' का चरित्र-चित्रण।

● ● ●